खबर संक्षेप

मेडिकल कालेज के दीवारों की सीलन पर कमिश्नर ने जताई कड़ी नाराजगी

शहडोल। कमिश्नर बी.एस.जामोद ने मेडिकल कालेज के विभिन्न वार्डों की दीवारों में पानी के रिसाव के कारण सीलन आने पर तथा सीलन आने के कारण दीवारों का रंग काला पड़ जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। कमिश्नर ने निर्माण एजेंसी को निर्देश दिए हैं कि इसमें शीघ्र सुधार किया जाए। कमिश्नर ने कहा है कि दीवारों में सीलन आने के कारण मेडिकल कालेज में इन्फेक्शन फैल सकता है। कमिश्नर का कहना था कि पानी के रिसाव को शीघ्र से शीघ्र रोकने के लिए समुचित कार्यवाही निर्माण एजेंसी शीघ्र करें। कमिश्नर ने कहा कि मेडिकल कालेज की दीवारों से हो रहा सीपेज तत्काल रूकना चाहिए तथा भविष्य में पानी का रिसाव नहीं हो इसके लिए तकनीकी रूप से बेहतर काम होना चाहिए।

डेढ़ माह में उडऩदस्ता ने दर्ज किए 16 प्रकरण

शहडोल। कृषि उपज शुल्क की चोरी रोकने तथा शासन की निर्धारित प्रक्रिया पूरी करने में मण्डीबोर्ड उडऩदस्ता संयुक्त संचालक एचआर लारिया के निर्देशानुसार पूरी मुश्तैदी से जुटा हुआ है। यही वजह है कि उसके अनुकूल परिणाम दिखाई पड़ रहे हैं। उडऩदस्ता प्रभारी बालगोविंद तथा सहप्रभारी जीपी बांधव निरंतर भ्रमण कर कार्रवाइयों को अंजाम दे रहे हैं। बताया गया कि महुआ फूल एवं अन्य कृषि उपजों का अवैध परिवहन करने वाले व्यापारियों पर कार्रवाई कर जुर्माना वसूला गया है। उडऩदस्ता द्वारा अप्रैल माह में जहां 8 प्रकरण बनाए गए वहीं चालू मई माह की 13 तारीख तक पुनः 8 प्रकरण दर्ज किए गए और इन प्रकरणों से 1 लाख 55 हजार रुपए का राजस्व वसूल कर शासन के पक्ष में जमा किया गया। ज्ञातव्य है कि बीते दिनों मण्डीबोर्ड उडऩदस्ता पर गैरजिम्मेदाराना कार्यशैली के दुराग्रहपूर्ण आरोप लगाए गए थे और उसे भ्रष्ट गतिविधियों में लिप्त बताया गया था। लेकिन उडऩदस्ता द्वारा निरंतर की जा रही कार्रवाइयों से ज्ञात होता है कि उडऩदस्ता निष्ठा से अपनी ड्यूटी मे लगा हुआ है।

इंजीनियर शिल्पा ने बढ़ाया जिले का मान

शहडोल। जिले की बहु डॉ. शिल्पा ने जिले को गौरवान्वित किया है। इंजीनियर शिल्पा सोनी द्वारा एम.टेक. में गोल्ड मेडलिस्ट है, उनकी राजस्थान की यूनिवर्सिटी से पीएचडी अवार्डेड हुई है, उनका टॉपिक पावर इलेक्ट्रॉनिक बेस में था। इनके कई इंटरनेशनल पेपर पब्लिश हुए है, इनकी इस लगन और मेहनत से उन्होंने परिवारजनों को और अपने गुरुजनों और साथ सोनी समाज को गौरवान्वित किया है, उनकी इस सफलता के लिए सोनी समाज ने उनके शुभकामनाएं प्रेषित की है।

60 लीटर शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। पुलिस अधीक्षक कुमार प्रतीक द्वारा अवैध शराब एवं मादक पदार्थों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के दौरान धनपुरी पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि मो. सग्गीर उर्फ बहिरा मुन्ना पिता मोहम्मद वसीर उम्र 40 साल निवासी आजाद दफाई बिलियस नंबर 01 थाना धनपुरी का अपने घर की परछी में भारी मात्रा में अवैध शराब बिक्री के लिए रखा है व कही ले जाने की फिराक में है।

सड़ाकों में बढ़ रही भीड़, सशक्त अभियान चलाने की मंशा नहीं

एक दिन में ही ठण्डी पड़ गई अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई

शहडोल। शहर की भीड़ भरी सडक़ों पर दिनोंदिन आवाजाही कठिन होती जा रही है, वाहनों का जाम लगता है और दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है। लेकिन नगरपालिका प्रशासन अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करने से कतराता रहता है। उसकी ढिलाई से लोगों के हौसले बढ़ते हैं और सडक़ों पर हर दिन एक नया अतिक्रमण होता है। अधिक दबाव पडऩे पर एकाध बार दिखावे की कार्रवाई कर वह छुट्टी पा लेता है। अतिक्रमण की सर्वाधिक कठिनाई सब्जीमण्डी अंतर्गत न्यू गांधी चौक से गल्लामण्डी रोड पर बनी रहती है। जहां हर दो चार मिनट में जाम लग जाता है। हालत यह है कि यहां बड़े दूकानदारों ने अपनी दूकान आगे तक बढ़ाकर कांउटर खोल रखे हैं और दूकानों के बोर्ड लगा रखे हैं। वहीं ठेले वाले बीच सडक़ पर ठेला लेकर खड़े हो जाते हैं। सहकारी बैंक के सामने तो करीब आधा दर्जन ठेला वालों ने मानो कब्जा ही कर लिया है। जिनसे आते जाते लोगों के असुविधाएं होती हैं।

दिखावा कर चुप्पी साध गई नपा

कुछ दिनों पूर्व नगरपालिका ने नोटिस देने के बाद सब्जीमण्डी की सर्वाधिक भीड़ वाली सडक़ पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की थी। वह थोड़ी देर तक कार्रवाई कर पाई थी कि बड़े दूकानदारों ने अनावश्यक रूप से विरोध करना शुरू कर दिया था। इस मामले में नगरपालिका प्रशासन को कोतवाली में रिपोर्ट भी दर्ज करानी पड़ी थी। इसके बाद नगरपालिका का अतिक्रमण हटाओ अभियान ठण्डे बस्ते में चला गया। दूकानें फिर जस की तस लगाई जा रहीं हैं। आवागमन आए दिन बाधित हो रहा है, छिटपुट घटनाएं हो रहीं हैं। लेकिन सशक्त अभियान नहीं चलाया जा रहा है। सब्जीमण्डी में नगरपालिका ने दिखावे की कार्रवाई कर यह जताने का प्रयास किया कि नगरपालिका सडक़ों की सुरक्षित आवाजाही के प्रति गंभीर है।

पुलिस की मदद नहीं लेते

नगर में अतिक्रमण हटाने का अभियान तब सफल हो सकता है जब प्रशासन व पुलिस बल का सहयोग लिया जाए। एसडीएम अथवा तहसीलदार के नेतृत्व में जब पुलिस बल के साथ नगरपालिका बेजा कब्जे हटाने की कार्रवाई करेगी तभी अभियान सफल होगा। लेकिन नगरपालिका न तो प्रशासन से सहयोग लेती न पुलिस का बल साथ में लेती है। इसका नतीजा यह होता है कि उसकी कार्रवाई अधूरे प्रयास में ही विफल हो जाती है। नगरपालिका प्रशासन स्वयं भी इस मामले में अधिक गंभीर प्रतीत नहीं होता है। नगरपालिका के कुछ कर्मचारी स्वयं ही व्यापारियों से साठगांठ कर अतिक्रमण को बढ़ावा देते हैं।

इन सडक़ों पर भी कठिनाई

सब्जी मण्डी ही नहीं,बल्कि कुछ अन्य सडक़ों पर भी भीड़ बढ़ती जा रही है और आवाजाही में असुविधा हो रही है। नर्मदा गैस एजेंसी के आगे डॉ. राजेन्द्र सिंह के अस्पताल के सामने दिन भर लगभग आधी सडक़ घेर कर वाहन खड़े रहते हैं। इस मेन रोड पर वाहनों की आवाजाही के समय निकलने की भी जगह नहीं रहती और आए दिन छिटपुट घटनाएं होती रहती हैं। इसी तरह जिला पंचायत कार्यालय के सामने भी भीड़ लगी रहती है। यहां सडक़ किनारे स्थित दूकानों के सामने वाहनों की लम्बी कतार सी खड़ी रहती है। यहां चूंकि नेशनल हाइवे है और चौबीसो घंटे भारी वाहनों की आवाजाही चलती रहती है इसलिए सडक़ पर खतरा बना रहता है। लेकिन नगरपालिका ने यहां कभी भी अतिक्रमण हटाने का अभियान नहीं चलाया।

समय पर उपचार न मिलने से मासूम की मौत

शहडोल। जिले के झींक बिजुरी चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मामरा में सर्प दंश से चार वर्षीय बालक की मौत हो गई। संतोष केवट का चार साल का पुत्र सौरभ घर के आंगन में खेल रहा था। इसी दौरान उसे जहरीले सर्प ने डंस लिया। इसके बाद परिजन बच्चे को झींक बिजुरी अस्पताल ले कर गए। वहां कोई चिकित्सक नहीं था, अस्पताल के अन्य कर्मियों ने ड्रिप लगाई। ड्रिप लगाने के कुछ देर बाद बच्चे की हालत और बिगडऩे लगी। हालत बिगडऩे पर उसे जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया, लेकिन जिला अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में ही बच्चे की मौत हो गई।

मौजूद स्टाफ ने गलत ड्रिप लगाई

मृतक सौरभ के पिता संतोष केवट ने आरोप लगाते हुए बताया कि झींक बिजुरी अस्पताल में चिकित्सक नहीं थे। मौजूद स्टाफ ने गलत ड्रिप लगाई, जिसकी वजह से उसकी तबीयत बिगड़ती चली गई। उसे वहां से शहडोल रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि घटना के तुरंत बाद 10 मिनट के अंदर ही मासूम को अस्पताल लेकर पहुंचे थे।

इनका कहना है...

झींक बिजुरी अस्पताल में डाक्टर की नियुक्ति के लिए शासन को पत्र भेजा गया है। जल्दी वहां डाक्टर की पदस्थापना कराई जाएगी।
डॉ. ए.के.लाल
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
शहडोल

सास की हत्या की वजह बनी पत्नी से दूरी

घर से भागने के फिराक में था आरोपी, पुलिस ने दबोचा

उमरिया। अपनी सास की हत्या करने वाले आरोपित दामाद को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार आरोपित शंकर गुप्ता को बुढ़ार स्थित उसके निवास से ही गिरफ्तार किया गया है। आरोपित की गिरफ्तारी पर एडीजीपी डीसी सागर ने 30 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू ने एसडीओपी पाली शिवचरण बोहित के नेतृत्व में थाना नौरोजाबाद से टीम गठित की थी। टीम ने आरोपित के सभी संभावित निवास स्थानों पर रात को दबिश दी थी। इसी दौरान आरोपित बुढ़ार जिला शहडोल में अपने निवास पर छिपा मिला।

आरोपित रात का फायदा उठाकर भागने की फिराक में था, जिसे पकडक़र उससे घटना के संबंध में पूछताछ की गई। आरोपित शंकर गुप्ता ने न सिर्फ अपराध करना स्वीकार किया, बल्कि घटना में प्रयुक्त धारदार हथियार व प्रयुक्त वाहन मोटरसाइकिल की जानकारी दी। जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया।

पति-पत्नी में था विवाद

खबर है कि मृतका राजकुमारी पति स्व. अशोक गुप्ता विधवा हैं, इनका एक पुत्र संजू गुप्ता और एक पुत्री सीमा गुप्ता है। पुत्री का विवाह आरोपित शंकर गुप्ता निवासी बुढ़ार से कुछ वर्ष पहले हुआ था। जिससे एक पुत्री ढाई वर्ष है। परन्तु विवाह के बाद किन्ही कारणों से पति-पत्नी में विवाद की स्थिति बनी रही। सीमा अपने गांव आकर मां के साथ रह रही थी। पति-पत्नी के बीच बनी यह दूरी सास की हत्या की वजह बन गई है।

पत्नी के दूसरे विवाह से था नाराज

मृतिका ने बेटी का दूसरा विवाह मानपुर के किसी गांव में कर दिया। जहां फिलहाल बेटी सीमा अपनी ढाई वर्ष की पुत्री के साथ रह रही है। इसी बात से नाराज शंकर गुप्ता 9 मई की दरमियानी रात ग्राम जरहा स्थित घर पहुंचा और अपनी सास से विवाद करने लगा। बताया जाता है कि इसी बीच आरोपित दामाद ने सास पर चाकू से हमला कर दिया, जिसमें राजकुमारी गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गई थी। बाद में उसे शहडोल जिला अस्पताल ले जाया गया था, परन्तु इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

बैरंग लौटाया था डॉक्टरों ने, गेट पर कमिश्नर मिले, पूछा और जा कर कराया भर्ती

कमिश्नर ने आकस्मिक निरीक्षण कर टटोली जीएमसी की नब्ज

शहडोल

मेडिकल कॉलेज में फैली अव्यवस्थाओं की लगातार जानकारिया मिलने के बाद नवागत कमिश्नर बी.एस. जामोद ने बीते दिवस औचक निरीक्षण किया, अस्पताल के गेट पर खड़े लोगों से आने का सबब और व्यवस्था के संदर्भ में जानकारी ली तो, डिण्डौरी जिले से शहडोल इलाज कराने आये ग्रामीण ने बताया कि वह वापस लौट रहा है, कई किलोमीटर बस का सफर और फिर आटो से अस्पताल पहुंचा, बड़ी उम्मीदे लेकर आया था, लेकिन चिकित्सकों ने पहले सोनोग्राफी रिपोर्ट पूछी और न होने पर भर्ती तक करने से मना कर दिया, इस पर कमिश्नर नाराज हुए और अस्पताल प्रबंधन को तलब कर इसका सबब जाना। कमिश्नर ने कड़े निर्देश देते हुए न सिर्फ मरीज को भर्ती कराया, बल्कि सुदूर डिण्डौरी जिले के पिपरिया से आये राम पाल का इलाज भी तत्काल शुरू हो गया, कमिश्नर ने इस पर नाराजगी जाहिर की और कहा कि ऐसी लापरवाही दोबारा नहीं होनी चाहिए।

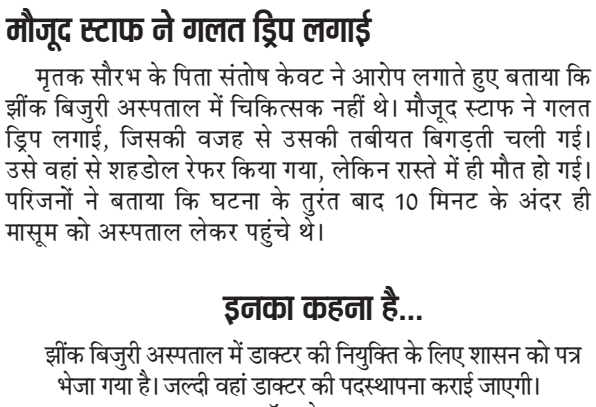

मरीजों से की चर्चा

कमिश्नर बी.एस.जामोद ने बिरसा मुण्डा मेडिकल कालेज शहडोल का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने मेडिकल कालेज के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण कर सीधे मरीजों से चर्चा की तथा मरीजों को बेहतर उपचार और स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने के निर्देश कमिश्नर ने डीन मेडिकल कालेज डॉ.गिरीसबी.रामटेके एवं अन्य प्रशासकीय अधिकारियों को दिए।

विशेषज्ञ चिकित्सकों से की चर्चा

मेडिकल कालेज के निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने गहन चिकित्सा इकाई में मरीज रामलाल चौधरी, ग्राम पंचायत खाम्हीडोल के सर्पदंश से पीड़ित मरीज विष्णु बैगा, जैतहरी के मरीज राजकुमार वर्मा, अनूपपुर जिले के मरीज बद्री प्रसाद यादव, कोतमा की मरीज मुन्नी बाई द्विवेदी, अनूपपुर जिले के ग्राम कुडैली के मरीज रामनिवास चौधरी, ग्राम पंचायत मझौली के मरीज ईश्वरदीन अहिरवार एवं अन्य मरीजों से रूबरू चर्चा की। चर्चा के दौरान कमिश्नर ने उपचार करा रहे मरीजों के उपचार के संबंध में विशेषज्ञ चिकित्सकों से चर्चा की। इस दौरान उन्होनें मरीजों को शीघ्र स्वस्थ्य होने की शुभकामनाएं दी और मरीजो को ढाढ़स बंधाया।

बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करें

कमिश्नर ने एनआईसीयू वार्ड का भी निरीक्षण किया तथा बच्चों की सेहत के संबध में चिकित्सकों से विस्तार पूर्वक चर्चा की। मेडिकल कालेज के निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने सैंपल लैब का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने चिकित्सकों को निर्देश दिए कि वे सिकल सेल एनीमिया के मरीजों को बेहतर से बेहतर उपचार मुहैया कराएं। कमिश्नर ने यह भी निर्देश दिए कि सिकल सेल के उपचार के लिए मेडिकल कालेज आने वाले मरीजों का डाटा भी एकत्रित करें तथा डाटा उपलब्ध कराएं ताकि संभाग में सिकल सेल के उपचार के लिए बेहतर से बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा सके।

लैब पर पहुंचे आयुक्त

कमिश्नर ने सेन्ट्रल लैब का भी निरीक्षण किया तथा लैब के रिपोर्ट का अवलोकन किया। कमिश्नर ने लैब में मरीजों से चर्चा की, चर्चा के दौरान लैब टेक्नीशियन ने कमिश्नर को बताया कि अभी मौसमी बीमारियों के प्रकरण आ रहे हैं मलेरिया के प्रकरणों में कमी आई है। मेडिकल कालेज के निरीक्षण के दौरान संयुक्त आयुक्त विकास मगन सिंह कनेश, लोक निमार्ण विभाग के अधीक्षण यंत्री एवं अन्य अधिकारी साथ रहे।

बाघ के हमले में घायल युवक की उपचार के दौरान मौत

उमरिया। बाघ के हमले में घायल हुए रघुवीर सिंह पिता रमेश सिंह उम्र 40 निवासी सुखदास की जबलपुर मेडिकल कालेज में उपचार के दौरान मौत हो गई। उन पर और उनके एक साथी पर शुक्रवार को बाघ ने उस समय हमला कर दिया था जब वे सुबह तेंदू पत्ता तोडऩे गए थे। बताया गया है कि रघुवीर सिंह की हालत शुरू से ही काफी गंभीर थी, जिसकी वजह से उन्हें उपचार के लिए जबलपुर ले जाया गया था। काफी प्रयास के बाद भी जबलपुर के डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके और शनिवार की रात उनकी मौत हो गई। बाघ के हमले की यह घटना पनपथा बफर के बीट सुखदास में हुई थी। यहां पर दो तेंदूपत्ता संग्राहकों पर बाघ ने शुक्रवार को हमला कर दिया था। इस घटना में ग्राम सुखदास निवासी रघुबीर पिता रमेश सिंह उम्र 40 वर्ष और नरोत्तम पिता बृजभान सिंह उम्र 50 वर्ष के घायल हो गए थे। घटना की जानकारी पर दोनों घायल संग्रहको को पार्क टीम द्वारा जिला अस्पताल लाया गया था, जिसके बाद रघुवीर सिंह की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जबलपुर रवाना कर दिया गया था।

दारू पार्टी करने वाले जेआर 15 दिनों के लिए रिस्ट्रीकेट, 2000 का अर्थदंड

शहडोल। बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में अध्यनरत जूनियर रेसीडेंट चिकित्सकों के द्वारा हॉस्टल के छत पर दारू पार्टी करने का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद इस खबर को हरिभूमि के द्वारा प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था, इस मामले में बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय शहडोल के अधिष्ठाता ने जांच के आदेश दिए और जांच के उपरांत 7 जूनियर रेसीडेंट चिकित्साको को 15 दिवस के लिए हॉस्टल से निष्कासित कर दिया गया है और सभी के ऊपर दो 2000 प्रति व्यक्ति का अर्थ दंड भी लगाया गया है।

बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय के द्वारा बैठाई गई, जांच के उपरांत 16 मई को इस आशय के आदेश जारी किए गए की, वायरल वीडियो की जांच के लिए समिति बनाई गई थी और समिति ने जो रिपोर्ट सौंपी है, उसमें डॉक्टर प्रद्युम्न कुमार बागड़ी, डॉक्टर करण सिंह यादव, डॉक्टर त्रिलोचन सिंह कूर्मवंशी, डॉक्टर वीरेंद्र कुमार चौधरी, डॉक्टर शुभम मिश्रा और डॉक्टर प्रिंस कुमार सिंह (सभी जेआर)के अलावा कस्तूरी एफएमजी इंटर्न इस वीडियो में दारू मुर्गा पार्टी का लुफ्त उठाते हुए नजर आ रहे थे, आदेश के अनुसार इन सभी जूनियर रेसीडेंट चिकित्सकों एवं इंटर छात्रों को तत्काल प्रभाव से 15 दिवस के लिए रेसीडेंट हॉस्टल से निष्कासित कर दिया गया है और 2000 रुपये का अर्थ दंड भी लगाया गया है।

यहां यह बात भी सामने आई कि इस मामले में एक सीएमओ

विपिन पटेल का भी नाम सामने आया था, हालांकि बाद में विपिन पटेल ने खुद आगे आकर इस बात का खंडन किया की वीडियो में वह कहीं नहीं है, लेकिन अस्पताल से जुड़े सूत्रों पर यकीन करें तो, डॉक्टर विपिन

हरिभूमि
हर शाम जीएमसी के टॉप फ्लोर पर करेंगे दारू पार्टी
मेडिकल के छात्रों के साथ डॉक्टर्स की हुड़दंग हुई वॉयरल

पटेल कहीं ना कहीं इन पार्टियों से पूर्व और वर्तमान में न सिर्फ जुड़े हुए हैं, बल्कि उनके द्वारा आए दिन अस्पताल परिसर के अंदर मरीज और उनके परिजनों से अभद्रता की शिकायतें भी सामने आती रही है, इस मामले में भी बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता को जांच आदि के आदेश देने चाहिए और आवश्यक कार्यवाही करनी चाहिए, ताकि बिरसा मुंडा शासकीय महाविद्यालय की साख को धूल धूषित करने वाले ऐसे कलयुगी द्रोणाचार्य को सबक मिल सके।

कमिश्नर ने खिलाडियों का किया उत्साहवर्धन कन्या शिक्षा परिसर में समर कैंप का किया निरीक्षण

शहडोल। कमिश्नर बी.एस.जामोद ने जिले के कन्या शिक्षा परिसर में समर कैंप का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान समर कैंप के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त कर रही बॉलीवाल तथा कबड्डी के खिलाडिय़ों से मिलकर खिलाडिय़ों तथा कोच से परिचय प्राप्त किया, उनकी उपलब्धियों की जानकारी ली एवं खिलाडिय़ों का उत्साहवर्धन किया तथा उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उपायुक्त ऊषा सिंह, सहायक आयुक्त अखिलेश पाण्डेय, मास्टर ट्रेनर डॉ अभय पाण्डेय, डीपीसी सुशील मिश्रा, शाला के प्राचार्य, शिक्षक उपस्थित रहे। जिले में समर कैंप के माध्यम से स्कूली विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने का कार्य किया जा रहा है, उन्हें विभिन्न खेलों, चित्रकला, पेंटिंग, आउटडोर गेम का प्रशिक्षण खेल विशेषज्ञों व्दारा दिया जा रहा है, जिससे स्कूली बच्चे गर्मी की छुट्टियों में अपने को सकरात्मक गतिविधियों से जोडकर समाज सेवा में जुड सकें।

खबर संक्षेप

कोयले की ग्रेट सेंपलिंग न होने से कोल इंडिया को करोड़ों का नुकसान

जमुना/बदरा। कोल इंडिया की सहायक कंपनी एसईसीएल जो की कोयले के उत्पादन में नया-नया कीर्तिमान स्थापित कर रहा है और देश के विकास में कोयला मेरुदंड की भूमिका निभाता है लेकिन वहीं पर कुछ अधिकारियों की लापरवाही के चलते कोल इंडिया को करोड़ों का नुकसान उठाना पड़ रहा है। ऐसा ही एक मामला एसईसीएल के जमुना कोतमा क्षेत्र का सामने आया है जहां पर एरिया के अंतर्गत संचालित भूमिगत खदान बदरा 9/10 के अच्छे क्वालिटी के कोयले को जी - 10 ग्रेड से गोविंदा रेलवे साइडिंग भेजा जा रहा है जिसके कारण एसईसीएल के माइंस 9/ 10 को 45 से 50 करोड रुपए का सालाना नुकसान हो रहा है। यह नुकसान कई महीनो सालों से चल रहा है अगर समय रहते ग्रेट सैंपलिंग करवा दिया जाता और यही कोयला आमाडांड खुली खदान की तरह प्राइवेट स्तर पर बेचा जाता तो निश्चित ही 2000 से 2500 प्रति टन का कोल इंडिया को फायदा होता जो सालाना औसतन 45 से 50 करोड़ रुपए होगा लेकिन अधिकारियों की लापरवाही कहें मिली भगत कहे या सुस्ती के कारण एसईसीएल को कई करोड़ का नुकसान हो रहा है और गेट सैंपलिंग ना होने के कारण ऊंचे गेट का कोयला निचले ग्रेट स्तर पर कम दामों पर बिक रहा है कोयला के जानकारो ने क्षेत्र के श्रमिक और श्रम संघ प्रतिनिधियों ने क्षेत्र के लोकप्रिय महाप्रबंधक हरजीत सिंह मदान से मांग किया है कि कोयले की ग्रेड सेंपलिंग तत्काल कराया जाए ताकि कोयला अधिक और अपने सही दाम पर बिक सके और कोल इंडिया को हो रहे करोड़ों के नुकसान से बचाया जा सके।

जिला अस्पताल के दूसरी नंबर गली में पहुंच रहा है महीना

झोलाछाप डॉक्टरों की दुकान बंद करायें कलेक्टर

उमरिया

स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार सरकार के सपनो में पानी फेरने में कोई कोर कसर नही छोड़ रहे हैं, मुख्यमंत्री मोहन यादव प्रदेश की तस्वीर और तकदीर बदलने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं, जिले में स्वास्थ्य सुविधा को बेहतर बनाने के लिए लगातार अधिकारियों को दिशा निर्देश दिया गया है, प्रदेश की जनता को बेहतर इलाज मिल सके, उन्हें किसी प्रकार की आसुविधा न हो इसकी चिन्ता मोहन सरकार कर रही है , जिले के ग्रामीण क्षेत्र से लेकर नगरी क्षेत्र की जनता को बेहतर इलाज मिल सके, इसके भी प्रयास लगातार सरकार कर रही है, लेकिन सीएचएमओ और बीएमओ के चलते देखा जा रहा है कि लोगों के जिंदगी के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है, जिले में झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार है एवं फर्जी क्लिनिक संचालित हो रही है, लेकिन सीएचएमओ और बीएमओ के संरक्षण उन्हें प्राप्त होने के कारण उनके हौसले इतने बुलंद है ।

15 सालों से बांग्लादेशी घुसपैठी

ऐसा नहीं है की कार्यवाही नही होती है, कार्यवाही तो होती है, लेकिन कार्यवाही करने के लिए एक ईमानदार अधिकारी की जरुरत होती है, जिले में कई सालों से ऐसे बांग्लादेशी नागरिक की शिकायतें होती रहती है, जिस पर जिम्मेदार अधिकारी सांठ-गांठ करके मामले को रफा-दफा कर देते हैं एवं उसमें कोई भी कार्यवाही नहीं करते है, कुल मिलाकर अपने ही देश को धोखा देने का काम जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है एवं उन घुसपैठियों का सहयोग कर उनसे मोटी रकम लिया जा रहा है और मामले को दबा दिया जा रहा है।

जिम्मेदार हुए मेहरबान

जिला चिकित्सालय के बगल के दूसरे नंबर गली में झोलाछाप डॉक्टर के द्वारा हर महीना पैसा पहुंचाने की चर्चा होती है, इसीलिए बेधडक़ झोलाछाप डॉक्टरों के द्वारा फर्जी क्लीनिक संचालित की जा रही है, जिसमें जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई करने से पल्ला झाड़ते हुए नजर आते हैं, क्योंकि उनके पास महीने के महीने समय से पहले फर्जी क्लीनिक चलाने का पैसा पहुँच दिया जा रहा है, यह लिफाफा कहां और किसके पास पहुंच रहा है, यह तो समझ से परे है। जिला मुख्यालय में कौन ऐसा आदमी है जो इन झोलाछाप डॉक्टरों से महीना लेने का काम कर रहा है और अपने वरिष्ठ अधिकारी को गुमराह कर फर्जी क्लीनिक संचालित करवा रहा है एवं झोलाछाप डॉक्टरों को संरक्षण दे रहा है।

कौन है जो खोल देता फर्जी क्लीनिक का ताला

कई बार तत्कालीन मुखिया के द्वारा मामला संज्ञा लेते हुए फर्जी क्लीनिक एवं झोलाछाप डॉक्टरों के ऊपर कार्यवाही कर क्लीनिक को सील करवाया गया है, लेकिन कुछ दिन के बाद पुनः वह झोलाछाप डॉक्टर अपनी फर्जी क्लिनिक संचालित करने लगते हैं, आखिर वह कौन सा अधिकारी है जो इन झोलाछापों को संरक्षण दे रहा एवं उनकी फर्जी क्लिनिक संचालित करवा रहा है और भोले भाले जनता और आदिवासियों के जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। इन झोलाछाप डॉक्टरों के चलते कई लोगों की मौत भी हो चुकी है और उनके गलत दवाई एवं हैवी डोज, इंजेक्शन , गलत गोली दवाई अधिक एमजी की गोली के खाने के चलते लोगों के शरीर में साइड इफेक्ट हो रहा है।

समीर की क्लीनिक कराई थी सील

तत्कालीन कलेक्टर द्वारा समीर अधिकारी नौरोजाबाद की क्लीनिक को बंद करवाया गया था और उसकी क्लीनिक में ब्लॉक मेडिकल अधिकारी बीएमओ वी.एस.चंदेल ने ताला लगाया था, लेकिन कुछ दिनों के बाद पुनः समीर की क्लीनिक संचालित होने लगी, जिस पर बीएमओ का कहना था कि हमें जानकारी नहीं है कि उसकी क्लीनिक कैसे खुली है, किसने खुलवाई जब इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर आरके मेहरा से बात की गई तो, उनके द्वारा कहा गया है कि मेरे जानकारी में नहीं है कि वह क्लीनिक कैसे खुल गई, अगर वह क्लीनिक खुली है तो , मैं पुलिस को लिखित में दूंगा और कार्यवाही की जाए, जो कि आज दिनांक तक नहीं हुई, कुल मिलाकर यह देखा जा रहा है कि स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारी फर्जी क्लीनिक संचालित करवाने वाले पूरा सहयोग कर रहे हैं।

अभियान चला कर फर्जी क्लीनिक कराये बंद

जिले के मुखिया द्वारा विशेष अभियान चला कर इन झोलाछाप डॉक्टरों की दुकान बंद कर इन झोलाछाप डॉक्टरों के ऊपर कानूनी कार्यवाही प्रस्तावित करनी चाहिए, जिस प्रकार से इन झोलाछाप डॉक्टर लोगों की जान से खिलवाड़ कर रहे, झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ जिले की टीम बनाकर विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान अपंजीकृत क्लीनिक एवं हॉस्पिटल संचालकों को भी कार्रवाई के दायरे में लाया जाए। अभी तक स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने किस किस को नोटिस दिया गया है और क्या कार्यवाही की गई है, अब तक जारी किए गए नोटिसों की भी जांच कराई जाए।

इनका कहना है

अगर कहीं पर फर्जी क्लिनिक संचालित हो रही है तो, उसमें ब्लॉक के बीएमओ एवं पुलिस के एसडीओपी एवं एसडीएम की जवाबदारी तय होती है कि वह उसे फर्जी क्लीनिक को सील करें एवं कार्यवाही करें।
डॉ.आर.के.मेहरा
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
उमरिया

****

मैं बात कर ले रहा हूं, कार्यवाही करनी या नहीं।
डॉ.वी.एस.चंदेल
बीएमओ
नौरोजाबाद

जल प्रदाय श्रमिकों की नगर परिषद में नहीं हो रही नियुक्ति

न्यायालय के आदेश की अवहेलना कहीं सीएमओ को पड़ ना जाए भारी

जयसिंहनगर

नगरीय निकाय चुनाव के बाद मिले सत्ता और पद से मिले पावर का दुरूपयोग किया जा रहा है। नगर परिषद जयसिंहनगर में पूर्व में कार्यरत रहे बशंत लाल यादव और घूरसेन सिंह 05 जुलाई 2010 से नगर परिषद जयसिंहनगर में जल प्रदाय श्रमिक के पद पर कार्य करते हुए अपने परिवार का जीवन यापन कर रहे थे, दो वर्षो पूर्व संपन्न हुए नगरीय निकाय चुनाव के बाद नवगठित हुई परिषद के बाद नगर परिषद के दैनिक वेतन भोगी इन दोनों कर्मचारियों पर नगर परिषद अध्यक्ष के द्वारा उनके घर पर गोबर उठाना, बच्चो के मलमूत्र साफ-सफाई करना, घर की गाडिय़ो की धुलाई, साफ-सफाई जैसे कई कार्य जबरन दबाव बनाकर कराया जाने लगा, कई बार नगर परिषद अध्यक्ष द्वारा शहडोल में अपनी पुत्री के घर भेजकर भी घरेलू काम-काज करने के लिए विवश किया गया, लगातार नगर परिषद अध्यक्ष द्वारा नगर परिषद के जल प्रदाय कार्य के अतिरिक्त घरेलू काम काज कराए जाने की शिकायत जब पत्र के माध्यम से 22 फरवरी 2024 को मुख्य नगर पालिका अधिकारी से करने पर नगर परिषद अध्यक्ष द्वारा दैनिक वेतन कर्मचारी बंसत लाल यादव और धूरसेन सिंह को नौकरी से निकालकर गरीबो से रोजगार छीनने का काम किया।

कलेक्टर का आदेश दरकिनार

गौरतलब है कि नौकरी से हटाए जाने के बाद दर-दर न्याय के लिए भटक रहे, दोनों गरीब कर्मचारियों ने न्याय की गुहार लगाते हुए माननीय न्यायालय में वाद दायर कर अपील की, जिस पर सुनवाई उपरांत माननीय न्यायलय द्वारा कलेक्टर पर संबंधितो के आवेदन पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए थे, न्यायलय के आदेश के बाद कार्यालय कलेक्टर जिला शहरी विकास अभिकरण द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी जयसिंहनगर को 07 मई 2024 को पत्र लिखकर संबंधित कर्मचारियों की नियुक्ति संबंधित कार्यवाही करने का आदेश दिया था, किन्तु नगर परिषद् जयसिंहनगर में पदस्थ मुख्य नगर पालिका अधिकारी के कार्यवाही ना करने पर कलेक्टर जिला शहरी विकास अभिकरण द्वारा पुनः स्मरण पत्र 16 मई को जारी किया गया, लेकिन तमाम पत्राचार और न्यायलय के आदेश के बाद भी अब तक गरीब श्रमिक दर-दर भटकने के लिए मजबूर है। आखिर सत्ता के दमपर गरीबो को कुचलना और रोजी रोटी के लिए परेशान करना किस हद तक जायज है।

नगर के वार्डों में चल रहा सेवा अभियान समस्याओं का मौके पर हो रहा निराकरण

धनपुरी

पूरे शहर के अंदर इन दिनों नगर सेवा अभियान के तहत विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है, कमिश्नर के निर्देशन पर इस अभियान को पूरे नगर के अंदर चलाया जा रहा है, बरसात को देखते हुए नगर के समस्त वार्डों में युद्ध स्तर पर सफाई का काम कराया जा रहा है , नगर सेवा अभियान 8 मई से 28 तक चलेगा और साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, जल प्रदाय, हेड पंप, पाइप लाइन जैसी समस्याओं का समाधान किया जाएगा साथ ही मौके पर नागरिकों से मिलकर उनकी समस्याओं को भी पूछा जाएगा और उसका त्वरित निराकरण भी किया जाएगा।नगर सेवा अभियान के तहत वार्ड 12 में नगर पालिका अधिकारी प्रभात बरकड़े ने स्वयं मौजूद रहे, वहां पर व्याप्त समस्याओं के निराकरण का काम किया। वार्ड में अभियान चलाकर सफाई कराई गई, जहां-जहां विद्युत से संबंधित समस्या थी, उसका मौके पर निराकरण किया गया, पानी समस्या के संबंध में लोगों से जानकारी ली गई, जो बाते सामने आई, उस पर भी तत्काल ध्यान दिया गया, वार्ड में जहां नालियों की समस्या है, उसके निर्माण कार्य की बात कही। साथ ही यह भी आश्वासन दिया कि किसी भी प्रकार की समस्या से आम नागरिकों को परेशान नहीं होना पड़ेगा जो भी समस्याएं सामने आएंगी उनका तत्काल निराकरण किया जाएगा।नगर पालिका अधिकारी ने बताया कि नगर सेवा अभियान 28 मई तक चलेगा और इस अभियान में नगर के समस्त वार्डों में समस्याओं के समाधान को लेकर काम किया जाएगा, आगामी माह से बरसात भी शुरू हो जाएगी, बरसात को देखते हुए सफाई व्यवस्था प्राथमिकता में शामिल है । वही अभी जो समस्याएं सामने आ रही हैं, उसका तत्काल निराकरण भी किया जा रहा है, सफाई व्यवस्था के साथ-साथ कीटनाशक दवाइयों का छिडक़ाव भी कराया जा रहा है, प्रतिदिन ट्रैक्टर से कचड़े हटाए जा रहे हैं , जहां पर बिजली की समस्या है, उसका निराकरण किया जा रहा है, जो हैंडपंप बंद पड़े हैं, उनका तत्काल सुधार कराया जा रहा है। ऐसे जो भी समस्याएं नागरिकों के द्वारा सामने लाई जा रही है, उस पर पूरा ध्यान दिया जा रहा है।

खून से लाल हो रहा हाईवे

सड़क दुर्घटना ने फिर ली जान, वाहन के उड़े परखच्चे

कोतमा। सड़क दुर्घटना रुकने का नाम नहीं ले रही है। आये दिन कोई न कोई सड़क दुर्घटना में लोगों की मौत हो रही है। ताजा मामला राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 कटनी से गुमला जाने वाले मार्ग का है। यह घटना कोतमा से 10 किलोमीटर दूर केवई बेरियल की है जहां शनिवार की रात्रि टाटा सूमो वाहन मैं सवार तीन लोग घायल हो गए जिसमें से एक युवक की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई वही एक अन्य गंभीर युवक को जिला चिकित्सालय अनूपपुर रेफर कर दिया गया और एक युवक फरार बताया जा रहा है।

यह है घटना

शनिवार की रात्रि टोल नाका के पास से तीन व्यक्ति टाटा सूमो वाहन में सवार होकर कोतमा आ रहे थे तभी बेरियल के पास तेज गति से आ रहे वाहन की चपेट में सड़क पर बैठ कर मवेशी आ गए और उन्हें रौंदता हुआ वहां तेजी से आगे बढ़ा और आगे जाकर सड़क के किनारे खड़े बड़े वाहन से टकरा गया। टक्कर इतनी तेज थी कि वाहन काफी दूर गिरकर पलट गया वाहन के परखच्चे उड़ गए। जिससे वाहन में सवार तीनों लोग वाहन के नीचे दब गए। आसपास के लोगों की मदद से एवं 108 एंबुलेंस की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा पहुंचाया गया। जहां इलाज के दौरान नितिन पिता संतोष गुप्ता 20 बर्ष की मृत्यु हो गई और उसका एक अन्य साथी गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय अनूपपुर रेफर कर दिया गया है। घटना के बारे में पुलिस से जानकारी लेने पर पता चला कि एक युवक की मृत्यु हुई है और गाड़ी बिजुरी की तरफ से आ रही थी एक युवक घायल है जिसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय अनूपपुर भेजा गया है उससे बात होने के बाद ही घटना की जानकारी मिल पाएगी। जब मुख मवेशी की मौत के बारे में भी जानकारी ली गई तो पुलिस का कहना अभी तक हमें कोई जानकारी नहीं मिली है। फिलहाल पुलिस मर्ग कायम करते हुए घटना की जांच कर रही है।

धर्मनगरी अमरकंटक से विशेष

जिस घर में प्रतिदिन पूजा होती है, यमराज भी उसके दरवाजे से लौट जाते हैं

अमरकंटक

देवनगरी अमरकंटक जहां पर माता नर्मदा नदी का उद्गम स्थल है नर्मदा नदी में पाए जाने वाले शिवलिंग को नर्मदेश्वर शिवलिंग कहा जाता है और हमारे पुराणों में वर्णित है जो भी नर्मदेश्वर शिवलिंग को अपने घर स्थापित कर पूजन पाठ करता है तो स्वयं यमराज भी उस घर से दूरी बना लेते हैं। इस तरह सूर्य देव के पूजन से भी अनेकोनेक फल प्राप्त होते हैं। सूर्य देव के 12 नाम क्या हैं किन कारणों से भगवान सूर्य के 12 नाम पड़े हैं सूर्य देव के 12 नाम उनके 12 अलग-अलग तरह के आकार-प्रकार और 12 महीनों मे बदलते स्वरूप के अनुसार पुराणो मे वर्णित है। प्रत्येक नाम के साथ भगवान सूर्य का रूप और वर्ण बदलता रहता है। हिन्दू कैलेंडर के 12 मास मे उन्हे 12 अलग-अलग नामों से संबोधित किया जाता है। उदाहरण स्वरूप इस श्लोक मे हीं देखिये की कैसे एक ही दिन में भगवान भास्कर तीन अलग-अलग रूपों मे परिवर्तित होते रहते हैं।

उदये ब्रह्मणो रूपं मध्याहे तु महेश्वर।
अस्तकाले स्वयं विष्णुस्वमूर्ति दिवाकरः॥

अर्थात उदय के समय वे ब्रह्मा के रूप हैं, दोपहर के समय वे महेश्वर हैं और सूर्यास्त के समय वे स्वयं विष्णु के रूप में सूर्य हैं। ठीक उसी प्रकार से प्रत्येक हिन्दू माह मे भगवान सूर्य के तेज मे परिवर्तन होता रहता है। अतः अलग-अलग हिन्दू महीने मे भगवान सूर्य को अलग-अलग नामों से जाना जाता है। भगवान सूर्य के प्रत्येक नाम के पीछे एक कारण छिपा हुआ है। हम अपने पाठकों के लिए भगवान सूर्य देव के उन सभी 12 नामों के कारण और कथा को भी प्रकाशित कर रहे हैं। आप सूर्यदेव के जिस भी नाम से संबन्धित कथा पढ़ना चाहते हैं या उस नामकरण की वजह जानना चाहते हैं उस नाम पर क्लिक करके उस नाम से संबन्धित पूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

सूर्यदेव के 12 नाम की महिमा

रात की बहन, आकाश की बेटी, वरुण की बहन, स्वर्ग की बेटी-उषा सुंदरी (सूर्योदय की बेला) एक युवती की तरह प्रकाशमान, नए-नए वस्त्रों में सजी, सभी प्राणियों को जगाती है। पशुओं को उनके काम पर भेजती है और पक्षियों को आकाश में उड़ने के लिए प्रेरित करती है। वह अपने आराध्य भगवान सूर्य का मार्ग प्रशस्त करती है। ऋषिगण इसी समय अपनी मुक्ति का मार्ग खोजते हैं। एक ऋषि उपासना में प्रार्थना करते हैं कि ह्यदि आप हमें परमात्मा का दर्शन नहीं करा सकतीं तो भला दूसरा कौन करा सकता है सूर्य देव के 12 नाम हिन्दू महीने के अनुसार बदल जाते हैं।

सूर्य देव के 12 नाम

धाता-चैत्र, अर्यमा-वैशाख, मित्र-ज्येष्ठ, वरुण-असाढ़, इन्द्र-श्रावण (सावन), विवस्वान- भाद्रपद (भादो), पूषा-आश्विन, पर्जन्य-कार्तिक, अंशुमान-मार्गशीर्ष (अगहन), भग-पौष (पूस), त्वष्टा-माघ, विष्णु-फाल्गुन। सूर्यदेव की किरणें सभी प्राणियों को जीवन प्रदान करती हैं और उन्हें अपने कार्यों के लिए प्रेरित करती हैं। मध्याह्न काल में सूर्यदेव अपने महेश्वर स्वरूप से तमोगुणी लीला करते हैं। यह लीला सृष्टि के सभी विकारों को नष्ट करने के लिए आवश्यक है। सूर्यदेव की प्रचण्ड रश्मियाँ सृष्टि के सभी विकारों को नष्ट करके उसे स्वस्थ और सुंदर बनाती हैं। यह लीला भगवान शिव की लीला के समान है। भगवान सूर्य सृष्टि के सभी विकारों को नष्ट करके उसे पुनः शुद्ध करते हैं। भगवान सूर्य के 12 नाम की महिमा हो या पूरे दिन की बात हो वे अपने अलग-अलग स्वरूपों के अनुसार भक्तों का भला हीं करते हैं। सूर्य भगवान हमे बताते हैं की जीवन परिवर्तनशील है। जो अभी है वो कल नहीं रहेगा, रंग-रूप, आकार प्रकार और ऊर्जा सब बदल जाएगा।

खबर संक्षेप

टीएल बैठक आज

रीवा । कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल टीएल बैठक में आज 20 मई को प्रातः 11 बजे से कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में समय सीमा के पत्रों की समीक्षा करेंगी। साथ ही बैठक में सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की भी कलेक्टर द्वारा विभागवार समीक्षा की जायेगी।

स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आज

रीवा। लोकसभा निर्वाचन की जिला स्तरीय स्टैंडिंग कमेटी की बैठक 20 मई को दोपहर बाद 3 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई है। बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल रीवा संसदीय क्षेत्र की मतगणना के संबंध में की जा रही तैयारियों की जानकारी देंगी। सभी उम्मीदवारों तथा राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है।

कक्षा 6 से 9 तक प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित

रीवा। जनजातीय कार्य विभाग के तहत आदर्श आवासीय विद्यालय (सर्रा) चुरहट जिला सीधी में संचालित है। इसमें कक्षा छठवीं से नौवीं तक की कक्षाओं में शैक्षणिक सत्र 2024-2025 के लिए रिक्त सीटों पर प्रवेश प्रवेश दिया जा रहा है। इसके लिए अनुसूचित जनजाति के पात्र विद्यार्थियों के आवेदन पत्र 30 मई तक आमंत्रित किये गये हैं। इसी तरह कक्षा 11वीं में प्रवेश के लिए भी अनुसूचित जनजाति के पात्र विद्यार्थियों से 31 मई तक आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक आवेदन पत्र के लिये प्रवेश प्रभारी पी.के. दीक्षित (व्याख्याता) 9981530675 एवं 9827258441 (प्राचार्य) के दूरभाष पर संपर्क कर सकते है। विद्यार्थी का एमपीटास में प्रोफाइल पंजीयन अनिवार्य है। विद्यालय में प्रवेश समिति द्वारा महत्वपूर्ण तिथियों व रिक्तियों की संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है। सीबीएसई एवं एमपी बोर्ड द्वारा 2024 में उत्तीर्ण अभ्यर्थी के मेरिट सूची के आधार में विद्यार्थियों का चयन किया जायेगा। एमपी बोर्ड में 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र ही पात्र होंगे। प्रवेशित छात्रों को आवास, भोजन, पाठ पुस्तक, गणवेश आदि सभी सुविधाये प्रदान की जावेगी।

आई.टी.आई. में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित

रीवा। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया एक मई से प्रारंभ हो गई है। प्रवेश हेतु इच्छुक आवेदक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन वेबसाइट www.dsd.mp.gov.in पर कराकर प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। प्राचार्य संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस संबंध में विस्तृत जानकारी आई.टी.आई. से प्राप्त की जा सकती है।

वृद्धजन स्वास्थ्य दिवस आज

रीवा। वृद्ध हमारे समाज का महत्त्वपूर्ण आधार स्तंभ हैं। हमारे समाज में वृद्ध नागरिकों का विशेष स्थान है। यह किसी भी सफल समाज के दर्पण होतें है और इस आधुनिक समाज मे आज यह कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहें जैसे उच्च रक्तचाप, डायबिटीज, मानसिक अवसाद, मोतियाबिन्द, बहरेपन, अकेलेपन आदि। वृद्धजन के बेहतर स्वास्थ्य संवर्धन हेतु जिले मे 20 मई को वृद्धजन स्वास्थ्य दिवस के रूप मे मनाया जाएगा जिसमें सभी 60 साल के मरीजों का स्वास्थ्य संस्थाओं में सामुदायिक स्वास्थ्य संवाद स्थापित कर स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। सीएमएचओ डॉ. संजीव शुक्ला ने बताया कि जिले स्तर से विषय विशेषज्ञों को समुदाय स्तर पर स्क्रीनिंग हेतु भेजा जाएगा और चिन्हांकन कर मरीजों का उपचार प्रबंधन किया जाएगा तथा सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में 60 साल से ऊपर के लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा।

डी.एल.एड. पाठ्यक्रम के लिये प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

रीवा । प्रदेश के समस्त जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान तथा अशासकीय महाविद्यालयों में डीएलएड पाठ्यक्रम में शिक्षण सत्र 2024-25 के लिये पंजीयन की प्रक्रिया 13 मई, से एम पी ऑनलाईन के माध्यम से शुरू कर दी गई है।

कार्य तेजी से चल रहा, एक माह बाद...

जगमग होंगी नगर परिषद बकहो क्षेत्र की सड़कें

काफी लंबे समय से लोगो द्वारा सडको पर स्ट्रीट लाइट के कयास लगाए जा रहे थे कि अन्य नगर परिषद क्षेत्रों जैसी बकहो क्षेत्र की सड़कें भी रोशनी से जगमगा जाए।

अमलाई।

जो अब लोगो का सपना पूरा होता दिख रहा है नगर परिषद बकहो क्षेत्र की सभी वार्डों में सडको पर स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य तेजी से चल रहा है बीते छः माह से स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य एजेंसी द्वारा किया जा रहा है जो लगभग पूर्णता की ओर है नगर परिषद बकहो की अध्यक्ष मौसमी केवट ने चर्चा के दौरान बताया कि लगभग एक माह बाद स्ट्रीट लाइट का कार्य पूर्ण हो जायेगा जिसके बाद नगर की सड़कें रोशनी से जगमग होंगी परिषद क्षेत्र में 15 वार्ड है और सभी वार्डों में लाइट लगनी है। जिसका टेंडर एजेंसी को दिया गया बताया गया कि लगभग 1.5 करोड़ रुपये की लागत से सडको पर स्ट्रीट लाइट लगाने का टेंडर दिया गया। जिसका कार्य तेजी से चल रहा है नगर की मुख्य मार्गों पर स्ट्रीट लाइट कार्य पूर्ण हो गया है कुछ मार्ग बचे हुए जिनमे लगभग एक माह का समय लग सकता है। हालांकि परिषद अध्यक्ष ने बताया कि मुख्य मार्गो के स्ट्रीट लाइट जल्द चालू किये जाएंगे और अन्य जगहों की स्ट्रीट लाइट को चालू होने में लगभग एक माह लग सकते है। जिसके बाद अन्य मार्गो की लाइटें भी जल उठेंगी। बता दे कि यहां कोतमा रोड और श्रीवास्तव तिराहा में स्ट्रीट लाइट की अतिआवश्यकता थी यहां पूरा क्षेत्र अंधकार मे डूबा रहता है। जहां लाइट लगाने की क्षेत्रवसी लंबे समय से इंतजार कर रहे थे नगर परिषद अध्यक्ष मौसमी केवट ने बताया कि क्षेत्र में सड़क, पानी और बिजली को लेकर अब युद्धस्तर पर कार्य किया जायेगा।

हाई कोर्ट ने याचिका निरस्त की

दैनिक वेतन भोगी कर्मी पेंशन का हकदार नहीं

जबलपुर। हाई कोर्ट ने अपने एक आदेश में कहा कि दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी पेंशन का अधिकारी नहीं है। न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल ने याचिका निरस्त करते हुए कहा कि अर्हकारी सेवा में आने के बाद कर्मचारी पेंशन का अधिकारी होता है। यह मामला रीवा निवासी मोतीलाल धर की ओर से दायर किया गया था। जिसमें कहा गया था कि वह साल 1995 से 2011 तक जल संसाधन विभाग में कार्यरत था। पेंशन में उसकी इस सेवा को नहीं जोड़ा गया है।

सरकार की ओर से तर्प दिया गया कि याचिकाकर्ता को उस दौरान दैनिक वेतन भोगी के रूप में रखा गया था। इसलिए वह पेंशन का अधिकारी नहीं है। एकलपीठ ने याचिका की सुनवाई के दौरान पाया कि पेंशन नियमों के नियम-तीन (पी),1976 अर्हकारी सेवा से संबंधित है। अर्हकारी सेवा उस तिथि से प्रारंभ होती है जब कर्मचारी पेंशन योग्य सेवा में शामिल हो जाता है। दैनिक वेतन भोगी रोजगार से जुड़ता तो है, परंतु यह पेंशन योग्य सेवा नहीं है। हाई कोर्ट ने उक्त टिप्पणी के साथ दायर याचिका निरस्त कर दी।

कार्यपालन यंत्री के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट पर रोक

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के न्यायाधीश अवनेन्द्र कुमार सिंह ने पन्ना जिले के जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री सतीश शर्मा के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट पर आगामी आदेश तक रोक लगा दी है। यह गिरफ्तारी वारंट पन्ना जिला न्यायालय द्वारा जारी किया गया था, जिसका मुख्य कारण एक भूमि अधिग्रहण मामले में न्यायालय द्वारा पारित अवार्ड की राशि का जमा न करना था। उच्च न्यायालय में सतीश शर्मा की ओर से अधिवक्ता श्री शीर्ष अग्रवाल ने तर्प दिया कि अवार्ड की राशि शासन द्वारा जमा की जानी है, न कि व्यक्तिगत अधिकारी द्वारा। भूमि भी शासन द्वारा अधिग्रहित की गई थी, इसलिए व्यक्तिगत अधिकारी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करना उचित नहीं है। न्यायालय में अधिवक्ता के तर्कों से सहमत होकर आगामी आदेश तक कार्यपालन यंत्री के गिरफ्तारी वारंट पर रोक लगा दी है।

सेवानिवृत्ति तक रिकवरी निरस्त

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने सेवानिवृत्त हेडमास्टर से 1995 से उसकी सेवानिवृत्ति तक की रिकवरी निरस्त कर दी। जस्टिस विवेक अग्रवाल की एकलपीठ ने कहा कि यदि इस दौरान कोई रिकवरी की गई है तो उसे 8 फीसदी ब्याज के साथ याचिकाकर्ता को लौटाएं। इसके लिए 30 दिन की मोहलत दी गई है। जबलपुर निवासी सुभाष प्रसाद पटेल की ओर से अधिवक्ता सचिन पांडे ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया क याचिकाकर्ता जवाहर लाल नेहरू हायर सेकेण्डरी स्कूल इंद्राना से हेडमास्टर के पद से सेवानिवृत्त हुआ। उन्होंने बताया क गलत वेतन निर्धारण के कारण विभाग ने याचिकाकर्ता के खिलाफ एक जनवरी 1986 से सेवानिवृत्ति दिनांक तक की रिकवरी निकाल दी। शासन की ओर से दलील दी गई क चतुर्थ वेतन आयोग की शर्त के अनुसार एक जनवरी 1986 से 31 दिसंबर 1995 तक की रिकवरी की जा सकती है।

संतुलित उर्वरकों के उपयोग से बढ़ती है पैदावार

रीवा ! कृषि वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर किये गये प्रयोगों से यह बात साबित हो चुकी है कि खेतों से अधिकत्तम उत्पादन प्राप्त करने के लिये उर्वरकों के संतुलित व समन्वित उपयोग की जरूरत होती है न कि उर्वरकों के अधिक इस्तेमाल की। एक ही तरह के उर्वरकों का उपयोग करने से फसलों को उचित पोषक तत्व नहीं मिल पाते, जिससे खेतों की उर्वरा शक्ति क्षीण हो जाती है। इसलिये कृषकों को मिट्टी की प्रकृति को ध्यान में रखकर संतुलित उर्वरकों का प्रयोग करना चाहिये । ऐसा करके किसान उर्वरकों की खपत काफी कम कर सकते हैं और अपना आर्थिक बोझ भी कम कर सकते हैं। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार फसलों में उर्वरकों के उपयोग से पहले यह जानना जरूरी है कि मिट्टी की प्रकृति कैसी है अर्थात मिट्टी भारी है या हल्के किस्म की। ऐसा इसलिये आवश्यक है क्योंकि जब भूमि में उर्वरकों का उपयोग किया जाता है तब उसका बहुत बड़ा भाग मिट्टी की निचली सतह में बहकर चला जाता है, जिसका फसल में कोई उपयोग नहीं हो पाता। बालुई या हल्की मिट्टी में नत्रजनधारी उर्वरक जैसे सोडियम नाइट्रेट, कैल्शियम नाइट्रेट आदि का रिसाव चिकनी मिट्टी की अपेक्षा अधिक होता है। इसलिये हल्की मिट्टी में नत्रजनधारी उर्वरकों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिये, अन्यथा फसलों को जरूरत के मुताबिक उर्वरक प्राप्त नहीं होंगें और उत्पादन पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार उर्वरकों को हमेशा पौधों की जड़ों के आसपास देना चाहिये। जमीन के ऊपर उर्वरक बिखेरने से वह पौधों की जड़ों तक नहीं पहुंच पाते। नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों को एक बार में न देकर थोड़ी-थोड़ी मात्रा में फसल की आवश्यकतानुसार दो या तीन बार में देना चाहिये। साथ ही उर्वरक देते समय भूमि में नमी होना भी आवश्यक है, क्योंकि पौधों की जड़ें घोल के रूप में पोषक तत्व ग्रहण करती हैं। खड़ी फसलों में उर्वरकों का प्रयोग पानी में घोलकर करना चाहिये। नत्रजन, स्फुर व पोटाश जैसे यूरिया, डीएपी व पोटेशियम सल्फेट को पानी में घोलकर खड़ी फसलों में दिया जा सकता है। जैविक खादों जैसे गोबर खाद, कम्पोस्ट अथवा हरी खाद के प्रयोग से भी रासायनिक उर्वरकों की खपत कम की जा सकती हे। कृषि विशेषज्ञ किसानों को यह भी सलाह देते हैं कि फसलों को जितने पानी की आवश्यकता हो उतनी ही सिंचाई करें अर्थात खेतों को अनावश्यक रूप से जलमग्न नहीं करना चाहिये। ऐसा करने से उर्वरक पानी के साथ रिसकर जमीन में नीचे बह जाते हैं। खड़ी फसल में उर्वरकों का प्रयोग तब करना चाहिये जब खेत पांव सहन करने लगें। साथ ही खरपतवारों को निकालकर उर्वरकों का प्रयोग करना चाहिये अन्यथा वे भी उर्वरकों से पोषक तत्व ग्रहण कर लेते हैं और उत्पादन क्षमता घट जाती है। उर्वरकों का उपयोग मृदा के पीएच मान के आधार पर ही करना चाहिये, क्योंकि सभी उर्वरक हर प्रकार की जमीन में उपयुक्त नहीं होते।

कार्यवाही और समझाइश के बाद भी ट्रैफिक नियमों का पालन करने तैयार नहीं चालक

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

यातायात नियमों को दरकिनार कर कानून की आंख में धूल झोंककर चालानी कार्यवाही से तो बचा जा सकता है लेकिन हेलमेट न होने पर होने वाली दुर्घटना में चोट और मौत को तो नही टाला जा सकता। वाहन चालन के दौरान हेलमेट की अनिवार्यता के बावजूद लोग इसके उपयोग से कतरा रहे है। यही वजह है कि सड़क हादसों में मौतो का ग्राफ कम होने का नाम नही ले रहा है। इस तरह लोगो को जान देना मंजूर है लेकिन हेलमेट नही।

सड़क हादसों में मौत के ग्राफ को कम करने के लिये शासन द्वारा दोपहिया वाहन सवारो के लिये हेलमेट की अनिवार्यता की गई है। हेलमेट का उपयोग किसी के दवाब में उपयोग का कार्य नही है बावजूद इसके लोग इसे नही अपना रहे है।

आमतौर पर महज 20 फीसद लोग ही हेलमेट का उपयोग करते है। ग्रामीण अंचलो में इसका उपयोग न के बराबर है। शहर में पुलिस की चालानी कार्यवाही से बचने के लिये अनेक दोपहिया वाहन चालक हेलमेट का दिखावे के लिये उपयोग तो कर रहे है लेकिन अधिकतर वाहन चालक हेलमेट उपयोग करते ही नहीं है। सड़क हादसो में खासकर सिर की चोट लगने से बचाने में हेलमेट अहम भूमिका निभाता है। वाहनों की चेकिंग और जागरूकता अभियानों में वाहन चालकों को हेलमेट की उपयोगिता की जानकारी दी जाती है लेकिन वाहन चालक इस ओर कोई ध्यान नहीं देते।

सीबीएसई परीक्षा परिणाम में विदुषी ने मऊगंज का बढ़ाया मान

मऊगंज। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए हैं घोषित 12वीं के परीक्षा परिणामों में मऊगंज जिले की विदुषी केशरी ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त करते हुए मऊगंज जिले को गौरवान्वित किया है उल्लेखनीय है कि विदुषी केशरी नगर परिषद मऊगंज की पूर्व अध्यक्ष चन्द्रप्रभा गुप्ता एवं नगर के प्रतिष्ठित व्यवसाई ओमप्रकाश गुप्ता की पुत्री हैं विदुषी केशरी की इस उपलब्धि पर उनके शुभचिंतकों ने उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

अधिकारियों की भी भूमिका संदिग्ध

बरांव पंचायत में विकास कार्यों के नाम पर लाखों की गड़बड़ी

कागजों में खोदे लाखों के तालाब,बनी पीसीसी नाली व सड़क,और कई कार्यो में हुआ गजब का भ्रष्टाचार

मऊगंज।

भाजपा सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलते हुए मऊगंज जिला कलेक्टर अजय श्रीवास्तव के द्वारा भ्रस्टाचार के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम राजनीतिक संरक्षण प्राप्त बेलगाम भ्रस्ट विभागीय अधिकारियों के चलते उनकी तमाम कोशिशों के बावजूद विफल है। जहां पर भ्रस्ट अधिकारियों की मिलीभगत से नगर से लेकर पंचायत स्तर पर भ्रस्टाचार थमने का नाम नही ले रहा है। ऐसा ही व्यापक पैमाने पर भ्रस्टाचार से जुड़ा एक मामला मऊगंज जिला कलेक्टर के पास पहुंचा है। जो कि जनपद पंचायत हनुमना अंतर्गत ग्राम पंचायत बरांव के वर्तमान सरपंच श्रीमती विमला कोल, तत्कालीन सरपंच श्रीमती अनीता साकेत,वर्तमान सचिव मोहन सिंह,तात्कालीन सचिव पुष्पेंद्र सिंह,सतेन्द्र सिंह एवं ग्राम रोजगार सहायक श्रीमती अनीता साकेत पर विभिन्न निर्माण कार्यों में गुणवत्ता विहीन बिना निर्माण कार्य कराए प्राकलन के विपरीत एवं शासन के नियम निर्देशों के विपरीत ग्राम पंचायत की राशि का आहरण कर व्यापक पैमाने पर फर्जीवाड़े को अंजाम देने की शिकायत जनपद पंचायत में जनपद सदस्य हनुमना (वार्ड क्रमांक 04) राजमणि पटेल के द्वारा की गई लेकिन जनपद के अधिकारियों के द्वारा मामला को दबाने का काम किया जा रहा है। जिसके बाद जनपद सदस्य द्वारा 21 मार्च को मऊगंज कलेक्टर को सौंपे गए पत्र में बरांव पंचायत में भ्रस्टाचार की जाँच दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की गई है। जिस पर जिला कलेक्टर ने 20 अप्रैल 24 को जनपद सीईओ हनुमना को जारी पत्र में 07 दिवस के भीतर जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। तो वहीं जनपद सदस्य का आरोप है कि जनपद के अधिकारियों द्वारा आज दिनांक तक पंचायत जाकर भ्रस्टाचार की जांच करना उचित नहीं समझा। जिससे पंचायत में आज भी फर्जी मस्टर रोल के द्वारा फर्जीवाड़ा का खेल लगातार जारी है इससे साफ जाहिर हो रहा है कि ग्राम पंचायत में होने वाले भ्रस्टाचार में जनपद के अधिकारियों ने भी बड़ी भूमिका निभाई है। *इन सभी गड़बड़ियों की हुई शिकायत* बरांव पंचायत के नाली निर्माण कार्य जो कि पंचायत भवन से लेकर गणेश मन्दिर तक, पी.सी.सी रोड निर्माण कार्य शेषमणि मिश्रा के घर से भैयालाल मिश्रा के घर तक,पी.सी.सी रोड निर्माण कार्य मनोज मिश्रा के घर से सत्यमणि तिवारी के घर तक, निर्माण कार्य शास. उच्च.माध्य. विद्यालय बरांव, जीर्णोद्धार गजरिया तालाब,जीर्णोद्धार रानी तालाब, जीर्णोद्धार महतमान तालाब, सार्वजनिक स्वच्छता परिसर बरांव,पुल निर्माण कार्य अगदेवा मार्ग में,नाडेप टैंक 10 नग एवं शोख्ता 10 नग निर्माण कार्य, बाउंड्रीवाल प्राथ. पाठ शाला बरांव,वृक्षारोपण शास. उच्च. माध्य. विद्यालय बरांव । प्रशासनिक मद पर व्यय जैसे स्टेशनरी, संधारण, पेयजल व्यवस्था, टैंट पर व्यय आदि । जनपद सदस्य द्वारा 14 बिंदुओं की शिकायत पत्र में विभिन्न निर्माण कार्यों एवं प्राशासनिक मदो पर व्यय की गई सम्पूर्ण राशि की गहन जाँच कराई जाकर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की गई है। देखना होगा कि जनपद के अधिकारी जिला कलेक्टर के आदेश का पालन करते हैं या फिर जांच को लेकर उनकी नोटिस का इंतजार करते रहेंगे।

ठेका बदला, व्यवस्थाएं जस की

आबकारी सहित जिम्मेदार विभाग बने मूकदर्शक

जिले सहित कस्बे में खुली कमपोजिट मदिरा की शासकीय शराब दुकानों में आबकारी नीति के विरुद्ध बिना रेट सूची लगाए प्रिंट रेट से भी अधिक दामों में ठेकेदार द्वारा शराब की बिक्री की जा रही है। शराब बिक्री में दामों को लेकर कई बार ग्राहक एवं दुकानदार के बीच बाद विवाद की नौबत बनी रही

मऊगंज।

इसके बावजूद भी आबकारी विभाग सिर्फ खानापूर्ति में जुटा है। जबकि आबकारी आयुक्त ने सभी दुकानों में रेट सूची लगाने एवं बिल देने का आदेश जारी किया गया है। किंतु जिले के आबकारी अधिकारियों की स्वयं की संलिप्तता के कारण ठेकेदारों से मिलकर मनमाने रेट पर शराब बिक्री की जा रही है। जिसका विरोध भी ग्रामीणों के द्वारा किया जा रहा है। लेकिन उनका यह विरोध ठेकेदार के ताकत और पैसे के बल पर दब जाता है। जिसके कारण मनमाने दामों में शराब की बिक्री की जा रही है। साथ ही ग्रामीण अंचलों में भारी मात्रा में शराब ठेकेदारों द्वारा पैकारी कराई जा रही है। मऊगंज नईगढी कस्बे सहित अन्य श्रेत्रो में शराब को सरकारी रेट पर न बेच कर मनमाने रेट बेचा जा रहा है। यह कार्य शराब दुकान आबकारी विभाग के अधिकारियों से मिली भगत कर कर रहे हैं। जिसकी वजह से आए दिन सेल्समैन और ग्राहक के बीच दुकानों पर झगड़े हो रहे हैं।गौरतलब है कि अंग्रेजी शराब दुकान में प्रिंट रेट से दस से बीस रुपए अधिक दर पर बेची जा रही है, साथ ही शराब की दुकानों पर रेट लिस्ट भी नहीं लगी है। पुलिस-प्रशासन व आबकारी विभाग कोई कार्रवाई करने को तैयार नहीं है। शराब दुकान से शराब हों या बियर की बाटल सब में पिंट रेट से अधिक लेट में खुले आम बेची जा रही शराब। यह सब अबकारी विभाग के अधिकारियों की जानकारी में हो रहा है। *लाइसेंसी ठेकेदार के कार्यकर्ताओं के सह पर खुलेआम हो रही ग्रामीण अंचल में पैकारिया।* क्षेत्र में शराब का अवैध कारोबार धड़ल्ले से हो रहा है। ग्रामीण अंचलों में पैकारियां चल रही हैं। अवैध ठिकानों से खुलेआम शराब बेची जा रही है। आबकारी विभाग की अनदेखी से नगर से लेकर आसपास के गांवों तक शराब का अनाधिकृत कारोबार फल-फूल रहा है। जिम्मेदारों की ढिलाई से लाइसेंसी ठेकेदार मनमानी पर उतारू हैं। सूत्रों की माने तो साठगांठ से चल रहे इस खेल में लाइसेंसी ठेकेदार के आसानी से अवैध शराब उपलब्ध होने के साथ क्षेत्र में अराजकता भी बढ़ रही है। नशे की लत वारदातों की वजह भी बन रही है। इसके बावजूद जिम्मेदार आंख मूंदे बैठे हैं। कार्रवाई का शिकंजा नहीं कसने से बेखोफ होकर पैकारियां चलाई जा रही हैं। क्षेत्र में शराब के अवैध रूप से संचालित पैकारी में ठेकेदार के कार्यकर्ता शामिल हैं। सूत्रों की माने तो शराब ठेकेदार लाइसेंस की आड़ में क्षेत्र में पैकारियों को संचालित कर रहे हैं। पैकारियों तक शराब की अवैध आपूर्ति की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में कई स्थानों पर शराब की अवैध बिक्री का खेल चल रहा है।

खबर संक्षेप

अनुष्का मिश्रा ने किया नाम रोशन

अनूपपुर। जिला मुख्यालय निवासी बृजराज किरण मिश्रा की पुत्री अनुष्का मिश्रा ने दसवीं कक्षा मे 90.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर नाम रोशन किया है। ज्ञात हो कि अनुष्का मिश्रा जिला मुख्यालय स्थित भारत ज्योति विद्यालय की छात्रा है तथा वह शुरू से ही पढ़ाई मे अव्वल रही है। अनुष्का मिश्रा ने इस उपलब्धि का श्रेय अपना माता पिता समेत स्कूल के शिक्षकों का दिया है साथ ही उनके द्वारा भविष्य मे पढ़ाई करते हुये बड़े पद पाने की इच्छा जाहिर की है। अनुष्का मिश्रा के 90.2 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर उनके शुभचिंतकों, मित्रों ने शुभकामनाएं प्रेषित कर उज्जवल भविष्य की कामना की है।

आज एकलव्य विद्यालय अनूपपुर में होगा कैरियर काउंसलिंग का आयोजन

अनूपपुर। शैक्षिक सत्र 2023 -24 में 12वीं कक्षा उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को कैरियर काउंसलिंग के तीन दिवसीय कार्यक्रम के तहत सोमवार 20 मई 2024 को प्रातः10 बजे से जैतहरी विकासखण्ड क्षेत्र के इस वर्ष 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए जिला मुख्यालय अनूपपुर स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में जिला प्रशासन द्वारा कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित आयोजित किया गया है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए जिला पंचायत के सीईओ तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने विद्यार्थियों से कैरियर काउंसलिंग का लाभ उठाने की अपील करते हुए सभी से निर्धारित तिथि व समय पर उपस्थिति की अपील की गई है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपने आसपास के इस सत्र में 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों को इस आशय की सूचना देकर प्रेरित कर कैरियर काउंसलिंग का लाभ उठाने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने की अपील भी की है।

कापी पेस्ट से संचालित हो रहा जिला संपर्क कार्यालय

अनूपपुर। मुख्यालय में स्थित लाडली लक्ष्मी पार्क में पुर्नस्थापित गाज मंदिर के संबंध मे खबर एक अखबार मे 17 मई को प्रकाशित हुआ जिसे देखकर कापी पेस्ट मे चल रहा जिला जनसंपर्क कार्यालय ने भी उसी खबर को दूसरे दिन जारी कर दिया जबकि जिला जनसंपर्ककार्यालय मे पदस्थ अधिकारी कर्मचारियों को ऐसे महत्वपूर्ण बातो की जानकारी पहले ही पता करनी चाहिये, परंतु उदासीन तरीके से कार्य को अंजाम देने वाली जन संपर्क कार्यालय अनूपपुर इस समय कापी पेस्ट पर चल रही है।

कोतवाली अंतर्गत चोरियों मे लगातार हो रहा इजाफा

अनूपपुर। कोतवाली थाना अंतर्गत वार्ड क्रमांक 9 में 3 महीनो में लगभग 5 चोरियां हो चुकी है। वार्ड नंबर 9 में रहने वाली स्टाफ नर्स के घर में बीती रात चोरों ने किया हाथ साफ, इस चोरी में चोरों ने घर की अलमारी में रखे लगभग एक तोला सोने की चैन के अलावा चांदी के कुछ अन्य जेवरात और तीन नग मोबाइल की समेत 6000 रुपए नगद चोरी कर ले गए। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार जिला चिकित्सालय अनूपपुर में पदस्थ स्टाफ नर्स कांता मिंज पति शांतिलाल इक्का उम्र 42 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 9 ने थाने में रिपोर्ट लिखाई थी कि 15 मई की रात लगभग 8 बजे वह जिला अस्पताल में आम दिनों की तरह ड्यूटी करने गई हुई थी तब घर में दो बच्चे एवं एक बड़ी बहन घर में मौजूद थी। श्रीमति कांता मिंज ने बताया कि वो रात में जिला चिकित्सालय ड्यूटी पर गई हुई थी। सुबह घर से उनकी बहन का फोन आया कि घर में चोरी हुई है तब पता चला कि मकान के पीछे की खिड़कियों के ग्रिल को काटकर चोर ने घर के अंदर घुस कर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। कोतवाली अंतर्गत तीन माह में लगभग यह पांचवीं चोरी की घटना को अंजाम दे चुके हैं इससे पहले श्रीमती राधा तिवारी के घर से लगभग 7 से 8 लाख रुपए की चोरी हुई ।

समर कैम्प में सुविधाओं के मोहताज जौहर दिखा रहे खिलाड़ी

नियमों की धज्जियां उड़ाते जिम्मेदार खिलाड़ियों को कर रहे आहत

जिम्मेदारों ने जिम्मेदारी से किया किनारा, खिलाड़ियों का हो रहा मोहभंग

जिले के जैतहरी, अनूपपुर, कोतमा एवं पुष्पराजगढ़ विकासखण्डों के विभिन्न स्थानों में छात्र-छात्राओं के ग्रीष्म अवकाश में समर कैम्प का आयोजन एक मई से किया जा रहा है जो 31 मई तक चलेगा, जिसमे जिम्मेदारों द्वारा जमकर भ्रष्टाचार करते हुये खिलाड़ियों को नियमानुसार सुविधा देने मे कोताही बरती जा रही है जिससे क्षुब्ध छोटे-बड़े खिलाड़ी काफी आहत हैं जबकि समर कैम्प में विद्यार्थी सिर्फ विधा ही नही सीखता बल्कि उनमें वक्तव्य कला, व्यक्तित्व निखार व व्यवसायिक दक्षता का विकास भी होता है

अनूपपुर।

समर कैम्प के लिए कलेक्टर ने आदेशित किया था कि जिले भर में चल रहे समर कैंप में नगर पालिका और नगर पंचायत सभी खिलाड़ियों को सुबह नाश्ते में मीनू के अनुसार व चना व अन्य खाद्य सामग्री देंगे साथ ही शासन के नियामनुसार सभी सुविधाएं मुहैया करवायेंगे, लेकिन शुरूआत के प्रथम दिन दिखावे के लिए मीनू अनुसार खाद्य सामग्री व सुविधा देने के बाद इस पर विराम लगा

दिया गया जबकि कागजों मे सभी खिलाड़ियों को समय-समय पर मीनू के अनुसार खाद्य सामग्री व सुविधा प्रदान की जा रही है।

धूल के गुबार के बीच जौहर दिखा रहे खिलाड़ी

जिला मुख्यालय स्थित उत्कृष्ट विद्यालय के मैदान समर कैंप का आयोजन हो रहा है जहां खिलाड़ी धूल के गुबार के बीच अपना जौहर का प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन नगर पालिका अनूपपुर व बरगवां चाहकर भी यहां तपती गर्मी व उड़ते धूल पर पानी की सिंचाई करना मुनासिब नही समझते। इसके अलावा अन्य प्रकार के सहयोग से भी नगर पालिका ने दूरी बना रखी है जिससे परेशान खिलाड़ियों ने मुखर होकर प्रशासन व जिम्मेदारों के खिलाफ बोलना शुरू कर दिया है। हरिभूमि ने जब शनिवार को समर कैम्प मे पहुंचकर खिलाड़ियों से प्रशासन द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही व्यवस्थाओं व सामग्री के बारे मे जानना चाहा तो लगभग हर छोटे-बडे खिलाडियों ने निराश मन से प्रशासन को कोसते हुये अपना दुख सुनाया।

नन्हे खिलाड़ियों ने बताई बेबसी

समर कैम्प मे पहुंचा केन्द्रीय विद्यालय का विद्यार्थी फुटबाल का हुनर सीखने आये नन्हे खिलाड़ी वेंकटेश केशरवानी ने बताया कि उन्हे नाश्ता नही मिलता है वही नन्हे खिलाड़ी प्रिंस कुमार वर्मन ने बताया कि धनीराम सर के द्वारा हमें फुटबाल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, मैं प्रतिदिन सुबह यहां आता हूं, मैदान मे धूल बहुत उड़ती है जिससे हमें काफी परेशानी होती है। इसी तरह यजुर शुक्ला ने भी समर कैम्प मे भर्रेशाही की बात कही। एक अन्य खिलाडी ने यहां किसी भी प्रकार की सुविधा मिलने से इंकार किया उसने कहा कि हमें खेल का हुनर सीखना है इसलिए प्रशासन के जिम्मेदारों से सहयोग नही मिलने के बावजूद बेबसी मे हम ग्राउण्ड मे खेल सीखते हैं परंतु जिम्मेदार यहां कभी कभी दिखते हैं और सुविधा के नाम पर सिर्फ दिखावा है।

खिलाड़ियों की व्यवस्था के लिए यह थे निर्देश

सहायक आयुक्त ने जिले के समस्त विधावार आयोजित मैदान में उपस्थित खिलाड़ियों के लिए खेल सामग्री मैदान मार्किंग, पेयजल एवं स्वल्पाहार की व्यवस्था मीनू के अनुसार जैसे- बिस्किट, चना, छाछ, पना, ग्लूकोस, ओआरएस, पोहा, केला, सेव, संतरा आदि की व्यवस्था खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा सुनिश्चित की जाएगी परंतु आदेश के बावजूद खेल एवं युवा कल्याण विभाग का खिलाड़ियों को समुचित व्यवस्था व खाद्य सामग्री प्रदान करने मे कोताही बरती जा रही है।

जिम्मेदार विभाग का गैर जिम्मेदाराना रवैया

समर कैम्प शिविर के आयोजन की सम्पूर्ण जवाबदारी खेल एवं युवक कल्याण विभाग को सौंपी गई है। जनजातीय कार्य विभाग एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी, कर्मचारियों को समन्वय कर शिविर को सम्पन्न कराने के निर्देश दिये गये हैं वही शिविर के आयोजन का साप्ताहिक मूल्यांकन भी किया जाएगा। उक्त निर्देशों के बाद भी जिम्मेदार विभाग ने खिलाडियों की बेहतर प्रदर्शन के लिए नियमानुसार जिम्मेदारी निभाना नही चाहता और यही कारण है कि अब खिलाड़ियों को समर कैम्प से मोहभंग होते जा रहा है जो शासन की मंशा व जिला प्रशासन की निर्देशों की खुलेआम अवहेलना है। जब जिला मुख्यालय मे समर कैम्प मे खिलाड़ियों की फजीहत है तो समझा जा सकता है अन्य खेल मैदानों मे खिलाड़ियों के साथ कैसा व्यवहार किया जा रहा होगा।

समर कैम्प में इन खेलों का हो रहा आयोजन

समर कैम्प में एथलीट, हॉकी, फुटबाल, बैडमिन्टन, योगा, कराते, कबड्डी, खो-खो, लान टेनिस, व्हालीबाल एवं अन्य एथलेटिक्स गेम खेले जा रहे हैं वही सामूहिक योगाभ्यास, पीटी तथा खेल कौशलों के अभ्यास के साथ ही खेल के विधावार नियमों की जानकारी देने के निर्देश है। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा के दिशा निर्देशानुसार समर कैम्प में विविध खेलों के आयोजन हेतु खेल प्रशिक्षकों की तैनातगी की गई है। समर कैम्प के दौरान खेल विधाओं के अतिरिक्त मनोरंजक खेलों, रस्सीकूद, पिट्ठू, तीन टांग की दौड़, मेढक दौड़, गणित दौड़, स्टेचर दौड़ एवं बोरा दौड़ का आयोजन भी किये जाने के निर्देश हैं साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत गायन, वादन, नृत्य एवं चित्रकला के भी अभ्यास का आयोजन रखा गया है।

खिलाड़ी यहां कर रहे प्रदर्शन

जिले के जैतहरी विकासखण्ड अंतर्गत अमलाई कालरी स्टेडियम, पटनाकला मैदान, चचाई स्टेडियम, मेड़ियारास मैदान, मेकल क्लब खेल परिसर, उत्कृष्ट विद्यालय अनूपपुर के मैदान व एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के खेल मैदान, उत्कृष्ट जैतहरी स्कूल के खेल मैदान में तथा अनूपपुर विकासखण्ड अंतर्गत राजनगर स्टेडियम, भालूमाड़ा स्टेडियम, जमुना कालरी स्टेडियम तथा बैडमिन्टन हाल में इसी प्रकार विकासखण्ड कोतमा में लहसुई स्टेडियम कोतमा, बिजुरी स्कूल मैदान, विकासखण्ड पुष्पराजगढ़ में क्रीड़ा परिसर मैदान में, भेजरी मैदान, लखौरा मैदान, करपा मैदान में खेल विधाओं का आयोजन किया जाएगा।

झाड़ फूंक के बहाने नवयुवती से कर रहा था अश्लील हरकत

कोतवाली पुलिस ने किया गिरफ्तार

अनूपपुर।

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर जितेंद्र सिंह पवार के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर इसरार मंसूरी एवं एस.डी.ओ.पी.अनूपपुर सुमित केरकेट्टा के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस के द्वारा झाड़ फूंक से इलाज के बहाने 24 वर्षीय नवयुवती से अश्लील हरकत करने वाले आरोपी नादिर अली हाल निवासी वार्ड नंबर 2 पटोराटोला अनूपपुर को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी कोतवाली टी.आई. अरविंद जैन के द्वारा बताया गया कि शनिवार की शाम अनूपपुर निवासी 23 वर्षीय नवयुवती ने अपनी मां एवं पिता के साथ थाना कोतवाली पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि विगत कुछ दिनों से पेट में दर्द होने से उसके पिता के झाड़ फूंक से इलाज के लिए नादिर अली पिता मोहम्मद शरीफ उम्र करीब 49 साल निवासी वार्ड नंबर 2 पटोरा टोला अनूपपुर को घर लाये थे, जहां झाड़ फूंक के बहाने कमरे में आरोपी द्वारा नवयुवती के कपड़े हटाकर पेट एवं सीने में हाथ लगाकर अश्लील हरकत की गई जिससे परेशान होकर नवयुवती ने अपने माता-पिता को जानकारी दी। नवयुवती की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 278/24 धारा 354 भारतीय दंड विधान एवं 3(2) (व्हीए) एस.सी. एस.टी. एक्ट पंजीबद्ध किया जाकर टी. आई. अरविंद जैन, महिला उपनिरीक्षक दयावती मरावी, महिला प्रधान आरक्षक जया, महिला आरक्षक ज्योति धारवे, प्रधान आरक्षक राजेश, रशीद के द्वारा आरोपी नादिर अली को गिरफ्तार किया गया है।

भ्रष्टाचार के लेप से बन रही नाली, मामला ग्राम करौंदी मे नाली निर्माण का

नाली निर्माण में हो रही रस्म अदायगी

सरपंच, रोजगार सहायक व उपयंत्री की मिलीभगत, घटिया सामग्री का उपयोग

राजेन्द्रग्राम।

गांव के विकास के लिए सरकार द्वारा लाखों रुपए खर्च कर ग्रामवासियों की सुविधा हेतु पानी निकासी के लिए ग्राम में नाली निर्माण का कार्य करवाया जा रहा है, लेकिन ग्राम पंचायत सरपंच, रोजगार सहायक के साथ ही उपयंत्री व जनपद के जिम्मेदारों की मिलीभगत से घटिया सामग्री का उपयोग कर नाली निर्माण कार्य किया जा रहा है। जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ से लगभग 10 किलोमीटर दूर 2000 की आबादी वाले ग्राम पंचायत करौंदी जिसके पास विगत कुछ वर्षों से आदर्श ग्राम पंचायत का तमगा है वहां नाली निर्माण मे जमकर भ्रष्टाचार को अंजाम दिया जा रहा है।

निर्माण देखने इंजीनियर को नही फुर्सत

गौरतलब है कि किसी भी निर्माण कार्य का मूल्यांकन व जाँच उपयंत्री द्वारा की जाती है तभी उसकी गुणवत्ता का आंकलन होता है, लेकिन उपयंत्री की भी इस निर्माण कार्य में मूक सहमति मालूम होती है। ग्रामीणों के अनुसार वरिष्ठ अधिकारियों की मिलीभगत से ही ग्राम पंचायत में घटिया निर्माण कर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। भ्रष्टाचार के लेप से ग्राम पंचायत करौंदी मे तैयार हो रहे नाली की गफलत देखने पदस्थ इंजीनियर को फुर्सत नही है जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि इस पूरे गड़बड़झाले मे इंजीनियर की भी बराबर की भूमिका है तथा परसेंट के हिसाब से कमीशन तय होने के बाद उन्होने बेहतर नाली निर्माण के लिए कोई भी कदम उठाना मुनासिब नही समझा। यहां तक कि उपयंत्री मैडम दुर्गा सिंह फोन उठाना भी उचित नही समझती हैं। उक्त नाली में 10 एमएम की जीरा गिट्टी से निर्माण किया जा रहा है। इतना ही नही उक्त निर्माण मे नाबालिग लड़कियों को भी कार्य मे लगाया गया है। नाली का निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग कर रस्म अदायगी की जा रही है।

जिम्मेदारों नेकाटी कन्नी

हरिभूमि की पड़ताल मे उक्त नाली निर्माण कार्य मे पंचायत के जिम्मेदार एक भी व्यक्ति नही दिखाई दिए जो जिम्मेदारी से कह सके कि ये काम गलत है या सही। इतना ही नही करौंदी के सरपंच दयाराम के घर के सामने घटिया नाली निर्माण किया जा रहा है परंतु किसी के कान में जूं तक नही रेंगी। जिससे ये कहना गलत नहीं होगा कि जिम्मेदार आंख कान मोबाईल बन्द किये बैठे है। देखना है कि सरपंच, रोजगार सहायक एवं उपयंत्री के भ्रष्टाचार पर वरिष्ठ अधिकारियों व जनपद सीईओ द्वारा क्या कार्यवाही प्रस्तावित की जाती है।

भ्रष्टाचार के लेप से तैयार हो रहा नाली

ग्राम पंचायत करौंदी मे नाली निर्माण में कम एमएम की सरिया, मिट्टीयुक्त डस्ट, कम सीमेंट जैसी घटिया सामग्री का उपयोग कर निर्माण बड़े भ्रष्टाचार को अंजाम दिया जा रहा है। जिससे निर्माण के बाद नाली की कुछ ही माह में धज्जियां उड़ जायेगी वही निर्माण कार्य का नामोनिशान तक नहीं रहेगा। इस निर्माण कार्य के बारे में पंचायत के निवासियों ने दबी जुबान मे बताया कि हम लोगों ने निर्माण कार्य के दौरान मिट्टी मिली रेत और घटिया व कम मात्रा में सीमेंट लगाने का शांतिपूर्ण तरीके से विरोध किया, पर सरपंच, रोजगार सहायक एवं उपयंत्री के अड़ियल रवैये व दबंगई से घटिया सामग्री का उपयोग कर नाली का निर्माण किया जा रहा है वही हमें मुह बंद करने तक की धमकी दी जाती है। अधिकारियों की मिलीभगत से सरकारी पैसे को पानी की तरह बर्बाद किया जा रहा है। शासन गांव के विकास के लिए लाखों रुपए खर्च करती है ताकि गांव का विकास हो सके लेकिन भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत से गांव का विकास नहीं हो पाता है और शासन को लाखों रुपए का सरपंच, रोजगार सहायक एवं उपयंत्री द्वारा चूना लगाया जाता है।

इनका कहना है

मैं खुद जाकर दिखवाती हूँ।
रेखा तनवर, एसडीओ जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़

कुछ वीडियो फोटो हो तो भेज दीजिये, मैं दिखवाता हूँ।
गणेश पाण्डेय, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़

आज स्मार्ट सिटी परिसर में आयोजित होगा विंध्य लोक रंग महोत्सव

राष्ट्रीय लोक गायिका मान्या पाण्डेय के लोकगीतों की होगी प्रस्तुति

अनूपपुर।

राष्ट्रीय लोक गायिका मान्या पाण्डेय के सुमधुर लोक गायन का कार्यक्रम आज शाम 7 बजे से जिला मुख्यालय स्थित विवेकानन्द स्मार्ट सिटी परिसर में आयोजित होगा। उत्थान सामाजिक, संस्कृतिक एवं साहित्यिक समिति म.प्र. के द्वारा अनूपपुर में आज सोमवार 20 मई को विंध्य लोक रंग महोत्सव का आयोजन विवेकानंद स्मार्ट सिटी प्रांगण में किया जायेगा। उक्त समिति के व्दारा रीवा एवं शहडोल संभाग के प्रत्येक जिलों में विंध्य लोकरंग का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें देश की सबसे छोटी राष्ट्रीय लोक गायिका विंध्य की बेटी मान्या पाण्डेय के लोकगीतों के साथ लोक गायक नरेन्द्र बहादुर सिंह, कपिल तिवारी, हरिश्चंद्र मिश्रा, भजन गायक बाल कलाकार प्रत्युष द्विवेदी, शुभी सिंह, श्रुति सिंह, रावेन्द्र तिवारी, कर्णबीर सिंह तोमर, पवन शुक्ला सहित विंध्य के लोक कलाकरों के द्वारा प्रस्तुति दी जायेगी। उत्थान सामाजिक, संस्कृतिक एवं साहित्यिक समिति मप्र के अध्यक्ष हरिश्चंद्र मिश्रा ने बताया कि हमारी समिति विंध्य की लोक कला एवं लोक परामपरा के विस्तार के लिए विगत 12 वर्षों से काम कर रही है और प्रति वर्ष विभिन्न महोत्सवों के द्वारा स्थानीय लोक कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच प्रदान करती है और पुराने लोक कलाकारों का सम्मान करती है। जिससे वर्षों पुरानी हमारी संस्कृति और हमारे लोक गीत आगे बढ़ते रहें। विंध्य लोक रंग महोत्सव के संयोजक नरेन्द्र बहादुर सिंह ने बताया कि विंध्य लोक रंग महोत्सव का आयोजन विंध्य के प्रत्येक जिला मुख्यालय में किया जा रहा है। विंध्य महोत्सव का आयोजन विंध्य के हर जिलों में जन सहयोग से किया जा रहा है। सभी जिलों के लोग देश की देश की सबसे छोटी राष्ट्रीय लोक गायिका विंध्य की बेटी मान्या पाण्डेय के लोक गीतों को सुनने के लिए काफी उत्साहित है और लोग उत्साह के साथ विंध्य महोत्सव में अपना सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

कार्यालयीन समय पर कार्य करने के निर्देश

अनूपपुर। अपर कलेक्टर अमन वैष्णव ने संयुक्त जिला कार्यालय में संचालित समस्त कार्यालय एवं शाखा में पदस्थ शासकीय सेवकों को निर्देश दिए हैं कि वे कार्यालयीन समय प्रातः 10 बजे से शाम 6 बजे तक उपस्थित रहकर सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि जिन शासकीय सेवकों द्वारा बिना सूचना एवं बिना अवकाश स्वीकृति के कार्यालय में अनुपस्थित पाए जाएंगे, उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।